Saathi

Date __/__/____

शैक्षिक तकनीकी द्वितीय अथवा सॉफ्टवेयर (मृदुल) उपागम :-

यह तकनीकी उपागम सामाजिक विज्ञान, मनोविज्ञान और विशेषकर अधिगम के मनोविज्ञान की आधारशिला पर खड़ा है। ~~मेल्टन~~ मेल्टन (1959) के अनुसार यह तकनीकी इस मान्यता पर आधारित है कि अधिगम का मनोविज्ञान अनुभव के फलस्व[रूप] व्यवहार में हर प्रकार के स्थायी परिवर्तन जिसमें बच्चों का स्कूली अनुभव आदि भी सम्मिलित हैं, को अन्तर्निहित करता है। तकनीकी एवं मशीनी उपक्रम (रेडियो, टेलीवि[जन] शिक्षण मशीन आदि) जो कठोर उपागम हैं, उनके माध्यम से प्रयोग में लायी जाने वाली शिक्षण सामग्री, अभिक्रमित अनुदेशन सामग्री, शिक्षण विधियाँ, युक्तियाँ आदि मृदुल अथवा सॉफ्टवेयर उपागम है।

मृदुल उपागम तकनीक के माध्यम से नवीन शिक्षण विधियों, प्रविधियों, तकनीकों, युक्तियों एवं व्यूह-रचनाओं का निर्माण एवं विकास किया जाता है। यह तकनीक शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया को रुचिकर, सरल, प्रभावशाली तथा मृदुल बनाती है। इसलिए इसे मृदुल उपागम नाम दिया गया है।

~~इस सॉफ्टवेयर~~

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Saathi

Date __/__/__

सॉफ्टवेयर तकनीकी के प्रादुर्भाव का मुख्य आधार शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तो का प्रयोग है। शिक्षण में मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तो के प्रयोग से बालक छात्रो के व्यवहार में वांछित परिवर्तन का प्रयास किया जाता है। इस उपागम को अनुदेशन तकनीकी, शिक्षण तकनीकी, तथा व्यवहार तकनीकी, की संज्ञा भी दी जाती है। शैक्षिक तकनीकी- प्रथम में एक ओर जहां मशीनों का उपयोग पाठ्य-वस्तु के प्रस्तुतीकरण को अधिक प्रभावशाली बनाने पर बल दिया जाता है। वहीं शैक्षिक तकनीकी- द्वितीय में दूसरी ओर के उद्देश्यों के व्यावहारिक परिवर्तनों, कार्य-विश्लेषण, लेखक, उद्देश्यों का संक्षीप्तीकरण, वांछित अधिगम कौशलों का चुनाव पुनर्बलन एवं पृष्ठ-पोषण प्रणालीयों एवं मूल्यांकन पर अधिक बल दिया जाता है। इस प्रकार हम कह सकते है कि शैक्षिक तकनीकी द्वितीय का तात्पर्य शिक्षण एवं अधिगम के मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तो का प्रयोग करना है।

30/09/2020

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Page No.